वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 29 | रविवार 28 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चुनावी साल में कांग्रेस ने बनाए 85 प्रदेश सचिव

किसी विधायक को नहीं मिली जगह, सचिवों में गहलोत गुट का दबदबा

जयपुर. कासं। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों को नजदीक देखते हुए संगठन में खाली जगहों को भरना शुरू कर दिया है। पार्टी ने 85 प्रदेश सचिवों की नियुक्ति की है। प्रदेश सचिवों की नियुक्ति की इस जंबो लिस्ट के जरिए चुनावी साल में सियासी समीकरणों को साधने का प्रयास किया गया है। सचिवों में गहलोत गुट का दबदबा है। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के समर्थकों को भी अच्छी खासी तादाद में जगह मिली है। कांग्रेस में जनवरी 2021 में 24 सचिव बनाए गए थे। अब कांग्रेस में कुल 109 प्रदेश सचिव हो गए हैं। कांग्रेस की 124 नेताओं की कार्यकारिणी है जिसमें से 109 सचिव हैं, बाकी के पदाधिकारी केवल 15 ही हैं। प्रदेश सचिवों की लिस्ट में किसी विधायक को जगह नहीं दी गई है। गहलोत खेमे के नेता गुर्जर नेता हिम्मत सिंह गुर्जर को प्रदेश सचिव बनाया है।

नई शिक्षा नीति का कैसे हो क्रियान्वयन?

विवेकानंद नोबल यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय अखिल भारतीय कॉन्क्लेव 'सारांश' का आयोजन

जयपुर. कासं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईमी) के क्रियान्वयन के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए जयपुर जगतपुरा स्थित विवेकानंद नोबल यूनिवर्सिटी में शनिवार से दो दिवसीय अखिल भारतीय कॉन्क्लेव 'सारांश' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनईपी पर विचार-विमर्श करने के लिए पूरे भारत के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और नियामक निकायों के सदस्य शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व चेयरमैन प्रो. डी. पी. सिंह, विशिष्ट अतिथि निरमा विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. अनुप कुमार सिंह और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए. सी. पांडेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में वीजीयू के अध्यक्ष कुलपति प्रो विजयवीर सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए, सारांश में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और उन्होंने कहा कि भविष्य में शिक्षा हमारे लिए अर्थव्यवस्था हो सकती है। आज हमें ऐसे युवाओं की जरूरत है जो पूरी तरह से तैयार हों और इसके लिए शिक्षा नीति में बदलाव एक महत्वपूर्ण कदम है। आज विश्वविद्यालय रोजगार योग्य छात्रों का सृजन नहीं कर रहे हैं, और नई शिक्षा नीति छात्रों को शिक्षा देने के साथ-साथ रोजगार सृजन पर भी बल दे रही है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अनूप कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि एनईपी अमेरिकी शिक्षा प्रणाली से बहुत कुछ ले रही है। अमेरिकी शिक्षा प्रणाली अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हैं और भारत की शिक्षा प्रणाली में ऐसी कोई प्रतिस्पर्श नही है। इस कारण से हमें अपने ज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति की जरूरत है। वहीं विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए. सी. पांडेय ने कहा कि तक्षशिला और नालंदा के समय से समग्र और बहु विषयक शिक्षा की लंबी परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में समग्र व्यक्तित्व के विकास पर मान दिया जाता था और इसी कारण से नई शिक्षा नीति का उद्देश यह है कि छात्रों में सर्वांगीण विकास हो सके। डॉ. पांडेय में शिक्षा के उस मॉडल को फिर से बनाने की आवश्यकता पर बल दिया जहां जीवन के हर पहलू को सशक्त किया जाता है। उन्होंने बहुविषयक शिक्षा पर पर जोर देते हुए कहा कि इससे छात्रों की क्षमता में विकाश होगा और वे लीक से हटकर सोच पाएंगे।

केजरीवाल की सभा से आप करेगी चुनावी आगाज

18 जून को श्रीगंगानगर में होगी सभा, 5 हजार पदाधिकारियों ने ली शपथ

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनावों को लेकर आम आदमी पार्टी अपना चुनावी आगाज करने जा रही है। 18 जून को आप संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सभा से प्रदेश में आप चुनावी शंखनाद करेगी। सभा में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे। आम आदमी पार्टी ने सभा के लिए एक लाख की भीड़ का लक्ष्य रखा है। इससे पहले आम आदमी पार्टी प्रदेश में अपना संगठन विस्तार कर रही है। जयपुर में आप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप पाठक ने आज एक साथ 5 हजार से ज्यादा नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा, प्रदेशाध्यक्ष नवीन पालीवाल सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी भी मौजूद रहे। आप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप पाठक ने कहा कि राजस्थान की जनता ने बार-बार

भाजपा व कांग्रेस को मौका दिया लेकिन इन दोनों पार्टियों ने हर बार जनता के साथ विश्वासघात किया। लेकिन दिल्ली की जनता ने एक बार केजरीवाल को मौका दिया और केजरीवाल जनता की उम्मीदों पर खरा उतरें। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में 2100 सरकारी स्कूल ऐसे है जहां एक भी टीचर है। वहीं 10 हजार से ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां केवल एक टीचर है। प्रदेश में 90 हजार से ज्यादा टीचर्स के पद खाली हैं, लेकिन भाजपा-कांग्रेस दोनों को इससे कोई मतलब नहीं है। इन्हें केवल एक ही चीज से मतलब है कि कैसे सत्ता में आया जाए। पाठक ने कांग्रेस में गहलोत-पायलट के बीच चल रहे विवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दोनों कुर्सी के लिए लड़ रहे है।

5 हजार पदाधिकारियों ने ली शपथ

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अब आम आदमी पार्टी ने प्रदेश में अपना संगठन विस्तार करना शुरू कर दिया है। पार्टी अब तक करीब 6,322 पदाधिकारियों की नियुक्ति कर चुकी हैं। पहली लिस्ट में प्रदेशाध्यक्ष नवीन पालीवाल सहित 239 पदाधिकारियों, दूसरी लिस्ट में 1,057 पदाधिकारियों और तीसरी लिस्ट में 5,026 पदाधिकारियों की नियुक्ति पार्टी ने की हैं। इन 5 हजार पदाधिकारियों को आज एक साथ शपथ दिलाई गई। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल का कहना है कि हम जल्द ही यह संख्या 12 हजार तक लेकर जाएंगे। प्रदेश के गांव- गांव व ढाणी-ढाणी तक आम आदमी पार्टी का संगठन होगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार ने दी केरला स्टोरी दिखाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार ने दी केरला स्टोरी मूवी अपने सदस्यो को दिखाई। ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि शनिवार को गैलेक्सी टाकीज, इंडस्ट्रियल एरिया, शिप्रा पथ,मानसरोवर में प्रातः 9.00 से 12.00 बजे वाले शो में दी केरला स्टोरी पिक्चर ग्रुप के समस्त सदस्यों को दिखाई गई। सभी सदस्यों का पूरा सहयोग रहा। पिक्चर की सभी सदस्यों द्वारा तारीफ की गई।

संगिनी फॉरएवर ग्रुप ने दिखाई द केरल स्टोरी मूवी

जयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी फॉरएवर ग्रुप ने दिखाई द केरल स्टोरी मूवी का दिनांक 27 मई शनिवार को सुबह 9:00 से 12:00 बजे का शो डॉ श्याम अग्रवाल के संयोजन एवं सहयोग से फर्स्ट सिनेमा दुर्गापुरा टोंक रोड जयपुर में द केरल स्टोरी मूवी का निशुल्क शो दिखाया गया। जिसमें संगिनी फॉरएवर ग्रुप की लगभग 100 महिलाओं ने मूवी का आनंद लिया पूरे खचाखच भरे इस पिक्चर हॉल में मालवीय नगर क्षेत्र की महिलाएं भी उपस्थित थी। परिवार में धर्म संस्कार एवं संस्कृति की शिक्षा हेतु प्रेरित करती इस मूवी को निशुल्क दिखाने के लिए डॉ श्याम अग्रवाल का संगिनी फॉरएवर ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। सुनीता गंगवाल ने अपने वक्तव्य के द्वारा आभार व्यक्त किया और उर्मिला अनीता मधु अर्चना अलका आदि सभी सदस्यों सहित एडवोकेट नवीन जैन के द्वारा भी निशुल्क मूवी दिखाने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

बापू नगर में योग शिविर का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज बापूनगर सम्भाग द्वारा 17 मई से 27 मई 2023 तक आयोजित 11 दिवसीय शिविर का आज समापन हुआ। योग गुरु लक्ष्मी चन्द जैन ने अभी तक सिखायें गये योगो को दोराहा कर पक्का करवाया। इस अवसर पर सम्भाग के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार जैन पाटनी द्वारा योग गुरु लक्ष्मी चन्द जैन का माल्यार्पण व शाल औढ़ाकर अभिनन्दन किया गया। योग गुरु ने सभी को निवेदन किया की योग में अगर आपको किसी प्रकार की दिक्कत आवे तो मैं घर पर आकर भी सीखा दुंगा। सम्भाग के मन्त्री डॉ राजेन्द्र कुमार जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा आशा प्रकट की सभी महानुभाव अपने अपने घरों पर सीखी गई सभी योग क्रियाओं को चालू रखेंगे। योग शिविर संयोजक राकेश संघी ने इस अवसर पर प्रकाशित साहित्य का सभी को वितरण किया। सभी भाग लेने वालें शिवरार्थियो को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

थूवोनजी जी अशोक नगर में चातुर्मास का निवेदन करने पहुंचे कमेटी

डोंगरगढ़ में विराजमान आचार्य श्री को किए श्री फल भेंट, मोहे के साथ परमार्थ के क्षेत्र में भी विश्वास परम आवश्यक है: आचार्य श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

विश्वास परम आवश्यक है मोह के क्षेत्र के साथ ही परमार्थ दोनों क्षेत्रों में विश्वास परम आवश्यक है आप को जिस क्षेत्र में विश्वास नहीं है तो सफलता नहीं मिलेगी किन्तु गलत दिशा में भी विश्वास है तो भी फल मिलेगा मोक्ष मार्ग के प्रति आस्था विश्वास वना रहना चाहिए अंणुवती और महावत दोनों का आत्मविश्वास वनाये रखना चाहिए मान लोविश्वास टूट गया तो वह वताओ उसके टूट ने का कारण बताओ कारण के जाने बिना आप उसकी पहचान नहीं कर सकते एक बार यदि विश्वास टूट जाता है तो फिर बनाये रखना बहुत कठिन होता है। मान लो अच्छे व्यक्ति के साथ मित्रता थी वह भी टूटने लग जाये तो वह किस पर विश्वास करेगा कोई भी व्यक्ति उसके साथ जुड़ना चाहता है तो फिर वह कैसे जुड़ेगा जोड़ने के लिए भी विश्वास की आवश्यकता होती है उक्त आश्य केउद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने डोंगरगढ़ में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

संयुक्त रूप से श्री फल भेंट कर किया चातुर्मास का आग्रह

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि अशोक नगर समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, महामंत्री विपिन सिंघाई के नेतृत्व में अशोक नगर थूवोनजी तीर्थ पर इस वर्ष चातुर्मास का निवेदन लेकर अशोक नगर पंचायत कमेटी व दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने संयुक्त रूप से श्री फल भेंट कर थूवोनजी में चातुर्मास का निवेदन आचार्य श्री से करते हुए कहा कि वर्षो से हम लोग आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। रहली पटना गंज से शिरपुर महाराष्ट्र में सात सौ किलोमीटर विहार कर गुरुदेव चातुर्मास कर सकते हैं तो थूवोनजी असम्भव नहीं है। आपकी दृष्टि एक बार दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी की ओर हो जाये तो चातुर्मास तो सहजता से ही मिल जायेगा इस दौरान थूवोनजी के संरक्षण अरविंद जैन मक्कु मुंगावली, राकेश लालाजी पंचायत के कमेटी कोषाध्यक्ष सुनील अखाई तीर्थ थूवोनजी कमेटी के कोषाध्यक्ष सौरव वाझल मंत्री विनोद मोदी आडिटर राजीवचन्देरी गंज मन्दिर संयोजक उमेश सिघई, सुनील घैलू सहित सभी सदस्यों ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

संगीत की तरह मोक्ष मार्ग में भी तालमेल जरूरी है

इसके पहले धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि जिसको आप लोग तबला कहते है वह कोई व्यक्ति बजा रहा है किसी को गीत गाने की रुचि हुई तो वह तबला के कारण। भक्ति करने के लिए संगीत की आवश्यकता होती हैं भक्ति अकेले भी की जा सकती हैं तबला आदि से भी कर सकते हैं इनके साथ जुड़ कर आनंद और बढ़ सकते हैं नृत्य कर सकते हैं आपको उससे और आनंद आयेगा किन्तु उस नाचने वाले व्यक्ति के साथ एक प्रकार से जुड़ाव नहीं हुआ तो कहगे अरे भाई तुमने तो हमारे संगीत को ही विगाड़ दिया इसमें कमी आपकी है इसमें नृत्य कार पर आरोप नहीं आ सकता नृत्य कर के लिए सही गीत मिल जाए तो वह नृत्य करते हुए उसमें डूब जाता है।

तांडव नृत्य करते हुए सौधर्म इन्द्र भक्ति में डूब जाता है

जब सौधर्म इन्द्र ताडव नृत्य करता है तो तबला बजाने और ना ही संगीत बजाने की भी आवश्यकता नहीं पड़ती नृत्य कार तो नृत्य कर रहा है उसे भी संगीत के साथ संभल ना पड़ता है इसलिए लोग कहते हैं आप तीनों ठीक हो लेकिन आपका तालमेल ठीक नहीं है इसी प्रकार मोक्ष मार्ग में सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान सम्यक चारित्र तीनों का तालमेल ठीक होना चाहिए उनकी आपस में लय ठीक होना चाहिए ये ही सारे के सारे वातावरण को ठीक कर देता है आप इसमें लीन हो गए तो मोक्ष मार्ग बन जाओगे।

वेद ज्ञान

संवाद के मायने

ईश्वर की सृष्टि देखकर जहां एक ओर परम आनंद का अनुभव होता है वहीं उसकी इस व्यवस्था को देखकर परम आश्चर्य भी होता है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश इन पंच महाभूतों से जहां उसने इस धरती की रचना की वहीं इन्हीं महाभूतों से उसने जीवमात्र की भी रचना कर डाली और इन जीवों में चेतना का संचार कर एक अद्भुत रचना-संसार खड़ा कर दिया। दार्शनिक जब विधाता के द्वारा सृजित इस मानव शरीर के तत्वों का विश्लेषण करता है तब वह कहता है कि मनुष्य का यह शरीर पांच ज्ञानेंद्रियों और पांच कर्मेंद्रियों के संयोग से बना है। इनसे बना हुआ यह शरीर स्थूल शरीर के रूप में जाना जाता है। इसके साथ ही इसमें मन, बुद्धि, चित्त और अंहकार का भी योग होता है जिसे सूक्ष्म शरीर के नाम से जाना जाता है। विधि-व्यवस्था का आश्चर्य यह है कि इन पांच ज्ञानेंद्रियों और पांच कर्मेंद्रियों को उपभोग के लिए एक-एक विषय मिला हुआ है जिसे ये ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां सूक्ष्म शरीर के योग से उपभोग के लिए प्राप्त करती हैं। दार्शनिक और अधिक सूक्ष्मता से जब इस सिद्धांत का विवरण देते हैं तो वे बताते हैं कि शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध ये ज्ञानेंद्रियों के विषय हैं, जबकि रस, गमन, आदान-प्रदान आदि कर्मेंद्रियों के विषय हैं। इनमें से ज्ञानेंद्रियों में नेत्रों को रूप ग्रहण करने की सामर्थ्य, नासिका को गंध ग्रहण करने का सामर्थ्य, त्वचा को स्पर्श ग्रहण करने की क्षमता प्राप्त है। जिह्वा एकमात्र ऐसी इंद्री है जिसे एक साथ दो विषय प्राप्त हैं। यह रस को ग्रहण करती और शब्द के प्रयोग का अधिकार भी रखती है। इसीलिए यह रस से स्वाद लेती है और शब्दों के प्रयोग से संवाद करने का सामर्थ्य रखती है। इसीलिए आचार्यों ने मनुष्य के लिए यह निर्धारित किया है और जैसा श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि बुद्धि, आरोग्य, सुख और प्रीति को बढ़ाने वाले स्वभाव से मन को प्रिय लगने वाले आहार ही सदा लेना चाहिए और आहार लेने के पूर्व उसे ईश्वर को समर्पित करना चाहिए। यही जिह्वा द्वारा श्रेष्ठ स्वाद लेने का स्वरूप है। इसी तरह से व्यक्ति को अपने शब्द-प्रयोग से ऐसा संवाद करना चाहिए जिसमें असत्य कथन न हो और अपने संवाद से किसी का मन क्षुब्ध न हो। यही कारण है कि सत्य बोलने के साथ-साथ प्रबुद्ध लोग प्रिय बोलने का निर्देश भी देते हैं।

संपादकीय

भविष्य बर्बाद करने वाला अपराध है 'बाल श्रम'

कानून के मुताबिक चौदह साल तक की उम्र के हर बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देना सरकारों की जिम्मेदारी है। मगर हकीकत यह है कि स्कूल जाने की उम्र में बहुत सारे बच्चे जोखिम भरे कामों में लग जाते हैं। कानून के मुताबिक चौदह साल से कम उम्र के बच्चों को श्रम वाले कामों में नहीं लगाया जा सकता। हर कारखाने में इस बात की घोषणा करनी पड़ती है कि उनके यहां कम उम्र के बच्चों को काम पर नहीं रखा जाता। कारखानों के बाहर ऐसी तख्तियां लगी भी रहती हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान भी खूब चलाए जाते हैं। इस तरह हर व्यक्ति को इस कानून और इसके उल्लंघन पर दंड के बारे में जानकारी है। फिर भी बाल श्रम पर काबू नहीं पाया जा सका है। ढाबों, घरेलू सहयोग, गाड़ियों की मरम्मत आदि के कामों में तो छोटी उम्र के बच्चों को काम करते देखा ही जाता है, स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक माने जाने वाले कारखानों में भी उनसे काम लेने से परहेज नहीं किया जाता। दिल्ली में

इकतालीस नाबालिग बच्चों को ऐसे कारखानों से मुक्त कराने का समाचार इसका ताजा उदाहरण है। मुक्त कराए गए बच्चों की सेहत बहुत खराब थी, वे सभी नंगे पांव थे और उनमें से कई के शरीर पर जलने के निशान थे। भूख-प्यास और स्वास्थ्य संबंधी अनदेखी के निशान उनके चेहरों पर नजर आ रहे थे। ऐसे न जाने कितने बच्चे खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने की उम्र में परिवार का गुजारा चलाने के लिए कारखानों में काम करने को मजबूर होते हैं। कारखाना मालिक ऐसे बच्चों की मजबूरी का फायदा उठा कर बहुत कम पैसे पर उनसे काम कराने लगते हैं। इनमें से ज्यादातर कारखानों में श्रमिकों की सुरक्षा सुविधाएं तो दूर, साफ हवा और सूरज की रोशनी तक आने की गुंजाइश नहीं रहती। बदबूदार गलियों की सीलन भरी तंग कोठरियों में बैठ कर उन्हें दस से बारह घंटे काम करना पड़ता है। न तो उनके लिए कोई उचित शौचालय होता है, न पीने के साफ पानी का इंतजाम। खाने-पीने और आराम के लिए भी पर्याप्त समय नहीं दिया जाता। ऐसे में उनके स्वास्थ्य की जांच आदि की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। फिर चूंकि कारखाना मालिक जानते हैं कि इस तरह के बच्चों से काम कराना जुर्म है, इसलिए उन्हें और सख्त निगरानी में रखते हैं। बच्चे चूंकि अपने अधिकारों को लेकर विद्रोह नहीं करते, इसलिए कारखाना मालिक या ढाबों आदि के मालिक उनके साथ शारीरिक हिंसा करने से भी परहेज नहीं करते। उन्हें छोटी-छोटी गलतियों पर पीटा जाता है, न तो ठीक से खाने-पीने को दिया जाता है और न आराम करने का वक्त दिया जाता है। जब दिल्ली जैसे शहर में यह आलम है कि कारखाना मालिक बच्चों को खतरनाक कामों पर रखने से भय नहीं खाते, तो दूर-दराज के इलाकों और छोटे शहरों-कस्बों का अंदाजा लगाया जा सकता है। कानून के मुताबिक चौदह साल तक की उम्र के हर बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देना सरकारों की जिम्मेदारी है। मगर हकीकत यह है कि स्कूल जाने की उम्र में बहुत सारे बच्चे जोखिम भरे कामों में लग जाते हैं। इसकी वजह भी छिपी नहीं है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आर्थिक विकास दर

आर्थिक विकास दर में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, बड़े उद्योगों की रफ्तार बढ़नी शुरू हुई है। इसकी वजह से थोक महंगाई भी काबू में आई है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि ब्याज दरों में वृद्धि को रोकना उनके हाथ में नहीं है। परिस्थितियों के अनुसार उन्हें फैसला करना पड़ता है। हालांकि ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने से महंगाई पर काबू पाने में काफी मदद मिली है। उपभोक्ता सूचकांक आधारित महंगाई पिछले महीने 4.7 फीसद दर्ज की गई। रिजर्व बैंक का लक्ष्य था कि खुदरा महंगाई को छह फीसद के नीचे लाया जाए। इसमें उसे कामयाबी मिली है। पिछले एक साल में रिजर्व बैंक अलग-अलग चरणों में रेपो दरों में ढाई फीसद की बढ़ोतरी कर चुका है। इसलिए जब पिछले महीने महंगाई काबू में आती दिखी तो उसने रेपो दरों को यथावत रखा। अब उद्योग परिसंघ का दबाव है कि रेपो दरों में कटौती की जाए। दरअसल, रेपो दरें ऊंची होने से कारोबारियों को बैंकों से लिए जाने वाले कर्ज पर अधिक ब्याज चुकाना पड़ता है, जिसका असर वस्तुओं की उत्पादन लागत पर पड़ता है। मगर जाहिर है, वैश्विक स्थितियों को देखते हुए रिजर्व बैंक के लिए रेपो दरों में कटौती जैसा कदम उठाना जोखिम भरा काम लगता है। अमेरिकी फेडरल ने अपने यहां ब्याज दरें ऊंची कर दीं, तो दुनिया भर के वित्तीय बाजारों से निवेशकों ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया। इसलिए कि दूसरे देशों की अपेक्षा वहां उन्हें अधिक ब्याज मिलने लगा था। फिर रिजर्व बैंक अभी इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है कि खुदरा महंगाई की दर कब तक पांच फीसद के नीचे बनी रहेगी। जबकि शक्तिकांत दास का कहना है कि अगली तिमाही में भी महंगाई की दर में कुछ कमी दर्ज होगी। यहां तक कि आर्थिक विकास दर बढ़ने को लेकर भी आश्वस्त नजर आते हैं। मगर महंगाई को लेकर वे किसी प्रकार का जोखिम मोल नहीं लेना चाहते। रिजर्व बैंक का इस तरह आर्थिक नीतियों को लेकर संशय में रहना अच्छा नहीं माना जा सकता। यह समझ से परे है कि जब महंगाई की दर नीचे की तरफ है और आर्थिक विकास दर भी बेहतर है, तो फिर रेपो दरों को लेकर ऐसी अनिश्चितता क्यों। रेपो दरें ऊंची रहने से बैंकों में निवेश करने वाले उन ग्राहकों को तो जरूर थोड़ी राहत रहती है, जो ब्याज के मकसद से पैसा जमा करते हैं। उनमें सेवानिवृत्त और छोटी कमाई वाले लोग होते हैं। मगर इससे मकान, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर ब्याज का बोझ बढ़ता है। इस तरह बाजार में पूंजी का प्रवाह बेशक थोड़ा काबू में रहता है, मगर निवेश की रफ्तार भी धीमी ही रहती है। आर्थिक विकास दर में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, बड़े उद्योगों की रफ्तार बढ़नी शुरू हुई है। इसकी वजह से थोक महंगाई भी काबू में आई है। मगर अब भी बड़ी चुनौती निर्यात के मोर्चे पर बनी हुई है। यह अच्छी बात है कि आयात में कमी करके घरेलू उत्पाद को प्रश्रय दिया जा रहा है और इसके चलते व्यापार घाटे में कमी दर्ज हो रही है। मगर निर्यात में लगातार नीचे का रुख बने रहने से औद्योगिक समूहों के सामने चुनौती बनी हुई है। यह भी आर्थिक विकास के लिए अच्छा नहीं माना जाता।

दुर्गापुरा में हुआ ग्रीष्म कालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन

दुर्गापुरा में हुआ ग्रीष्म कालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल का ग्रीष्म कालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन समारोह 27 मई को प्रातः 8:00 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुरा में संपन्न हुआ। अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी व सचिव रेनू पांन्ड्या ने बताया कि कार्यक्रम के दीप प्रज्वलन कर्ता कैलाश छाबड़ा थे। श्रमण संस्कृति संस्थान से पधारे हुए पंडित अजित शास्त्री का सम्मान राकेश विमला काला द्वारा एंव बालिका छात्रावास से आई हुई विदुषी भव्या जैन, अनुभा जैन, सिम्मी जैन का सम्मान किया। हीरालाल, आशा गर्ग ने सयोजको एवं शिक्षिकाओं का सम्मान किया। शिवरर्थियों का पुरस्कार वितरण धन कुमार सुनीता पान्ड्या परिवार ने किया। बालिका छात्रावास के लिए राशि शिखर कुसुम देवी ने प्रदान की और आज के कार्यक्रम के अंतर्गत जो भगवान आदिनाथ से महावीर जयंती तक घर घर मंगलाचार का कार्यक्रम संपन्न हुआ था उसके पुरस्कार वितरण श्रीमती गुणमाला जी पापड़ीवाल परिवार ने किए। कार्यक्रम के अंत में सभी कोप्रकाश मनोरमा चांदवड परिवार के सहयोग से अल्पाहार कराया गया। अंत में ट्रस्ट कमेटी के मंत्री राजेंद्र काला ने सबका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बगरुं में पहली बार होगा जैन संत का चातुर्मास

गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी ससंघ का 2023 का चातुर्मास बगरु में होगा, अतिशय क्षेत्र नेवटा का वार्षिक उत्सव सम्पन्न, पदमप्रभू पूजा विधान में गूंजे जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नेवटा के वार्षिक उत्सव एवं चातुर्मास 2023 उदघोषणा महोत्सव के मौके पर भरतेश्वर मति माताजी ने प्रवचन देते हुए बताया कि जैन आचार्यों ने कहा है कि दान पूजा करने वाले की दुर्गति नहीं होती। शील,व्रत करने वालो की सुगति होती है ।तप करने वाले अमर हो जाते हैं। अच्छी भावना भाने वालो के अशुभ कर्म का नाश हो जाता है।जिस तरह से बीज के बिना वृक्ष की तथा वृक्ष के बिना फल की प्राप्ति नहीं होती है।उसी अनुरूप शुभ भाव के बिना जीवन अधूरा है। महान नहीं तो नेक इंसान अवश्य बने। और नेक इंसान बनने के लिए पवित्र भावना जरुरी है।ये उदगार गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी ने प्रवचन देते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर विभिन्न नगरों, कस्बों एवं जयपुर स्थित कालोनियों के दिगम्बर जैन समाजों ने माताजी को 2023 के चातुर्मास हेतु श्रीफल भेट किए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समारोह के शुभारंभ पर प्रतापनगर निवासी जिनेन्द्र जैन 'जीतू' ने ''मधुबन में हो चौमासा.....'' तथा ब्रह.संचिता दीदी ने ''गुरु मां ने तेरे भक्तों ने पुकारा है.....'' गायन प्रस्तुति देकर मंगलाचरण किया। तत्पश्चात समिति द्वारा राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, मुनिभक्त नेमी चन्द बाकलीवाल, राजीव जैन लाखना,निर्मल जैन,चेतन जैन निमोडिया ओम प्रकाश कटारिया, पं.निर्मल बोहरा,सत्य नारायण पारीक ,मन्ना लाल नरेन्द्र कुमार बैनाडा

खटवाडा वाले आदि का स्वागत व सम्मान किया गया। तत्पश्चात मधुबन टौकफाटक, बगरुं, चित्रकूट कालोनी सांगानेर, श्याम नगर, कलवाडा, जोबनेर,छोटा गिरनार बापूगांव,सूर्य नगर तारों की कूंट आदि के दिगम्बर जैन समाज बन्धुओं ने माताजी ससंघ को चातुर्मास हेतु नाचते गाते भक्ति भाव से श्रीफल भेंट कर चातुर्मास हेतु निवेदन किया। अन्त में माताजी ने सभी की भावना को ध्यान में रखते हुए अजमेर रोड पर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बगरु में वर्ष 2023 के चातुर्मास की घोषणा की। पूरा सभागार जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मंच संचालन चेतन जैन निमोडिया ने किया। इससे पूर्व भगवान पद्म प्रभू के अभिषेक एवं मंत्रोच्चार से शांतिधारा की गई। संगीतमय पद्म प्रभू पूजा विधान में इन्द्र -इन्द्राणियों ने भक्ति नृत्य किए। समुच्चय महाअर्घ के बाद समापन हुआ।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोहनवाडी जयपुर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर शिविर कापुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह शुक्रवार दिनांक 26 मई 2023 को आयोजित किया गया। दिनांक 15 मई से 25 मई 2023 संत श्री सुधासागर महिला महाविद्यालय एवं छात्रावास की बहिनो के सहयोग से श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोहनवाडी जयपुर में ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे जैन धर्म शिक्षा भाग एक भाग दो एवं छहढाला का अध्ययन कराया गया। सभी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिविरारथियो को श्रेष्ठी राजेन्द्र प्रतिभा बिलाला, रवि अमिता वेद परिवार की ओर से विशेष पुरस्कार प्रदान किये गये। साथ ही अध्ययन कराने वाली बहिनो सुश्री सोनल जैन साक्षी जैन मिति जैन का समाज द्वारा स्वागत किया गया। मंदिर प्रबन्ध कारिणी समिति के मंत्री नरेन्द्र बाकलीबाल ने सभी का आभार एवं स्वागत किया। शिविर के मुख्य संयोजक अजय गोधा ने सभी गतिविधियों को कुशलता से संचालित किया। समापन कार्यक्रम का संचालन पं प्रद्युम्न कुमार शास्त्री ने किया।

दिगम्बर जैन शांतिसागर पाठशाला निवाई के बालक बालिकाओं ने शोभायात्रा निकाली

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में बालाचार्य निपूर्ण नन्दी महाराज के सानिध्य में शहर में सभी जिनालयों मे श्रुत पंचमी महोत्सव मनाया गया। महोत्सव के तहत पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन मे श्री शांतिसागर दिगम्बर जैन पाठशाला का विधिवत पूजा अर्चना करके उद्घाटन किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि श्रुत पन्चमी महोत्सव पर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में श्रद्धालुओं ने मूलनायक भगवान शांतिनाथ के अभिषेक व शांतिधारा करके पूजा अर्चना की। इस दौरान जिनवाणी मां की शोभायात्रा निकाली गई। जिनवाणी मां की शोभायात्रा अग्रवाल जैन मंदिर से पाठशाला के बालक बालिकाओं के द्वारा निकाली गई। शोभायात्रा अहिंसा सर्किल से होते हुए नसियां जैन मंदिर पंहुची। कार्यक्रम के संयोजक महिला मण्डल की अध्यक्ष शशी सोगानी, पिंकी कठमाणा, आशा गिन्दौडी.एवं अन्तिमा झिराना ने बालक बालिकाओं मे शिक्षा की अलख जगाई। शोभायात्रा में बालक बालिकाओं ने हाथो मे तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में 50 बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। एस एस जैन सुबोध महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ विशाल गौतम के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष सात दिवसीय शिविर दुर्गापुरा गौशाला में समापन किया गया। डॉ विशाल ने बताया शिविर में श्रमदान, विभिन्न विषयों पर व्याख्यान कराए गए, जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इनके अतिरिक्त गोद लिए गए गांव के आसपास पर्यावरण, प्लास्टिक के उपयोग पर रोक जैसे कई महत्वपूर्ण विषयो पर जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का समापन व सम्मान समारोह आज 28 मई को

भट्टाराक जी की नसिया में होगा समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के 26वर्षों की संपूर्ति के अवसर पर श्रीसंत सुधासागर बालिका महाविद्यालय महाविद्यालय व छात्रावास और श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के तत्वावधान में आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का समापन व सम्मान समारोह रविवार को साय 7 बजे से नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां के तोतुका सभागार में आयोजित होगा। आचार्यश्री 108 विद्यासागर जी महाराज के व निर्यापक श्रमण मुनिश्री 108 सुधासागर की प्रेरणा से आयोजित इस शिविर के समापन पर शिविर में श्रेष्ठ रहे शिविरार्थियों व शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। श्रीसंत सुधासागर बालिका महाविद्यालय व छात्रावास अधिष्ठात्री श्रीमती शीला डोड्या ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि व्रती श्राविका शिरोमणि श्रीमति सुशीला-शांता व तारिका पाटनी आरके मार्बल्स परिवार रहेंगी। समारोह के गौरवमयी अतिथि अमेरिका से आशा रानी धर्मपत्नी राजेन्द्र पांडया, श्रीमती कांता-शिप्रा बज, श्रीमती कांता-धर्मपत्नी रतन लाल सौगानी, श्रीमती आशा धर्मपत्नी सुरेश लुहाड़िया, श्रीमती सुमन धर्मपत्नी सुरेश सौगानी, श्रीमती संतोष धर्मपत्नी अशोक पाटनी होगी। शिविर के मुख्य संयोजक उत्तम पाटनी ने बताया कि इस मौके पर प्रत्येक जैन मंदिर से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिविरार्थी को पंडित रतन लाल बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार से 2100 रुपए नकद व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल की परामर्षक डॉ.वंदना जैन व अंचल अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि शिविर में शिविरार्थियों का पढ़ाने वाली श्री संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय महाविद्यालय व छात्रावास की विदुषियों का भी सम्मान किया जाएगा। इस मौके पर जिनवाणी पुरस्कार प्रदाता डॉ. रवि-लता जैन होगी।

> समारोह के गौरवमयी अतिथि अमेरिका से आशा रानी धर्मपत्नी राजेन्द्र पांडया, श्रीमती कांता-शिप्रा बज, श्रीमती कांता-धर्मपत्नी रतन लाल सौगानी, श्रीमती आशा धर्मपत्नी सुरेश लुहाड़िया, श्रीमती सुमन धर्मपत्नी सुरेश सौगानी,श्रीमती संतोष धर्मपत्नी अशोक पाटनी होगी।

प्रो. फूलचंद प्रेमी, राजेन्द्र जैन महावीर सम्मानित हुए

ऋषभांचल तीर्थ में हुआ भव्य समारोह

ऋषभांचल गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

जैन जगत के प्रतिष्ठित पुरस्कारों में शामिल ऋषभदेव व ऋषभांचल पुरस्कार प्रदान करने का 25वाँ पुरस्कार समर्पण समारोह आध्यात्मिक ध्यान योग केन्द्र ऋषभांचल के स्थापना दिवस पर 26 मई को सम्पन हुआ। अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी बा.ब्र.माँ श्री कौशल के सान्निध्य में भारत सरकार में पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ.मुरली मनोहर जोशी ने जैन दर्शन के मूर्धन्य वरिष्ठ विद्वान प्रो. फूलचंद प्रेमी वाराणसी को ऋषभदेव पुरस्कार व सम्पादक, पत्रकार ओजस्वी वक्ता राजेन्द्र जैन महावीर सनावद को ऋषभांचल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ऋषभांचल तीर्थ पर हुए भव्य समारोह में तीर्थ के अध्यक्ष जीवेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष जे.के. जैन हेमचंद जैन, महामंत्री आर.सी.जैन, मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष अतुल जैन, सुधीर जैन, मीडिया प्रभारी अजय जैन आदि ने सम्मानित किया। इस अवसर पर जैन दर्शन के मूर्धन्य विद्वान प्रो. नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़, डॉ.अनेकांत जैन दिल्ली, वीरेन जैन टीकमगढ़, जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन गुना, विधायक दिनेश गोयल, पुरातत्व अन्वेषी शैलेन्द्र जैन लखनऊ आदि गणमान्यजन उपस्थित थे। ऋषभांचल तीर्थ पर संचालित स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल व ऋषभांचल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

ध्यान योग का अद्धभुद तीर्थ ऋषभांचल- डॉ.मनोहर जोशी

समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ.मुरली मनोहर जोशी के कहा कि माँ श्री कौशल के तप-त्याग की आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है।

ऋषभांचल तीर्थ ध्यान-योग के लिए अद्धुद तीर्थ है ।यहाँ से मैं विगत 33वर्ष से जुड़ा हूँ यहाँ माँ श्री कौशल के तप का प्रभाव देखा जा सकता है ।कोरोना संकट के बाद पहली बार दिल्ली से बाहर निकलकर ऋषभांचल तीर्थ आया हूँ ।संवाद और समन्वय जीवन का आवश्यक अंग है, संवाद के माध्यम से किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है। पदाधिकारियों ने डॉ.जोशी का अभिनंदन भी किया। आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण ध्यान योग साधिका बा.ब्र.मॉ श्री कौशल ने कहा कि ऋषभदेव के कारण हमारी पहचान है हमें उन्होंने जीवन जीने की कला सिखाई, हमें इस बात का गौरव होना चाहिये कि जैनधर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है जो हमें भगवान बनने की कला सिखाता है ।योगासन हमघ्को शारीरिक ऊर्जा लाभ दे सकता है, ध्यान हघ्मै आध्यात्मिक शांति के माध्यम अनंत शांति का, अनंत शक्ति का अनुभव करा सकता है। उल्लेखनीय है कि बा.ब्र.माँ कौशल ने जैनेन्द्र सिदान्त कोष के लेखन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए पूज्य ब्र.जिनेन्द्र वणीर्जी के साथ जैनेन्द्र सिद्धांत कोष लिखने का संकल्प लिया था जो जन जगत की महत्वपूर्ण कृति है।

नेमीसागर कॉलोनी में सड़क का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

झोटवाड़ा विधायक और राजस्थान सरकार में कृषि एवं पशुपालन मंत्री माननीय लालचन्द कटारिया की अनुशंसा पर जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नेमीसागर कॉलोनी में स्वीकृत सड़क नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ 27 मई 23 को वैशाली मार्ग पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, कॉलोनी विकास समिति के पदाधिकारियों एवं ब्लॉक व मण्डल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में कॉलोनी के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा किया गया। वैशाली नगर मंडल अध्यक्ष मोहित जैन ने अवगत कराया कि शुभारंभ कार्यक्रम में पार्षद राजू अग्रवाल, वैशाली नगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र कायथवाल, वार्ड अध्यक्ष नीरज नाटाणी, सुरेश चतुर्वेदी, वरुण शर्मा, कवि शर्मा, जगदीश समोता सहित नेमीसागर कॉलोनी विकास समिति सचिव चुन्नीलाल खीचड़, उद्योगपति श्रीनिवास गुप्ता एवं डी पी सहगल, सेवानिवृत्त अतिरिक्त श्रम आयुक्त धनराज शर्मा, सुखबीर सिंह चौधरी, दिलीप तिवारी, बी एल चौधरी, इंद्र कुमार खन्ना, कृष्ण प्रताप सिंह, मुकेश मेहता, डा. कमल भूरानी, सुरेश कासलीवाल, हंसराज गंगवाल, वी के शर्मा, पूनम चंद जैन, नवनीत पहाड़िया, दीपक जैन, वरुण जैन आदि स्थानीय निवासियों सहित रणजीत सोनी, सिराज अहमद खान, शेर सिंह यादव, भरत लाखीवाल, एस के मित्तल, सुधीर कुमार सिंह आदि कांग्रेस नेतागण एवं मंत्री कटारिया के ओएसडी जय कुमार जैन तथा जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता दीपक माथुर और सहायक अभियंता रश्मि चौधरी उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

एक पखवाड़े के शिक्षण शिविर में बही संस्कारों की गंगा

विदुषियों से 154 बच्चों व बड़ों ने खेल खेल में सीखा धर्म का मर्म

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योति नगर में जैन पाठशाला द्वारा श्रमण संस्कृति संस्थान व दिगंबर जैन महिला महासमिति के तत्वाधान में 14 मई से आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविर का दिनांक 27/5/23 शनिवार को सायंकाल समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में सभी विद्यार्थियों को, जिनवानी सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय को तथा शिविर में लिखवाये निम्बंध में प्रथम दो को पुरुष्कृत किया गया। समारोह का शुभारंभ मंगलाचरण

के बाद महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला ड्योडा , समाज श्रेष्ठी चेतन रेखा जैन छाबड़ा लालकोठी , रूपा सेठी कलकत्ता द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । पाठशाला के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला ने अतिथियों का परिचय व शाब्दिक स्वागत किया ।इसके बाद इष्टोपदेश ग्रंथ की परीक्षा में प्रथम वर्षा रानी सेठी, द्वितीय कनिका जैन ,तृतीय अर्चना जैन को ;सिद्धांत प्रवेशिका में प्रथम प्रियांशु जैन, द्वितीय छाया ठोलिया ,तृतीय शर्मिला जैन अनीता शाह अंजू जैन आर्यन जैन व निशा जैन को अतिथियों ने पुरुष्कार प्रदान किए ।साथ ही बाल संस्कार भाग दो में प्रथम दिविशा जैन, द्वितीय वीरोनिका जैन ,तृतीय विनामी जैन ,तथा भाग एक में प्रथम दिशा जैन, द्वितीय पर्व जैन , व तृतीय स्वस्ति जैन रही। पाठशाला के संयोजक सुरेश शाह राजेंद्र ठोलिया अनुसार शिविर में 154 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ तथा जिनवानी सजाओ प्रतियोगिता में 92 जिनवानी सजायी गई जिसमे प्रथम अनीता जैन द्वितीय रियासी तृतीय नक्शन्द्र जैन व सांत्वना मीना चाँदवाड रहे ।

राष्ट्रीय नाट्य लेखन एवं निर्देशन कार्यशाला जारी : नाट्य लेखन एवं मंचन पर मंथन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय नाट्य लेखन एवं निर्देशन कार्यशाला के दूसरे दिन शनिवार को कई ख्यात लेखकों एवं निर्देशकों ने नाट्य लेखन एवं मंचन से जुड़े विविध विषयों पर मंथन किया। भारतीय लोककला मण्डल निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर द्वारा कला मण्डल के साझे में आयोजित तीन दिवसीय नाट्य कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र में उपाध्यक्ष राजस्थान मेला प्राधिकरण, राज्य मंत्री एवं प्रसिद्ध नाट्यविद रमेश बोराना ने सत्र संचालन करते हुए नाट्य लेखन एवं मंचन के दौरान विभिन्न पहलुओं का ध्यान रखे जाने और नाटक में संगीत की उपादेयता पर अपने विचार रखे।सत्र के प्रारम्भ में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी अध्यक्ष बिनाका जेश मालू ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया।प्रथम सत्र में उदयपुर के जाने-माने संगीतकार डॉ. प्रेम भण्डारी ने नाटक और संगीत के अंतर संबंध विषय पर विचार व्यक्त किए। उनके बाद शहर की रचनाकार रीना मेनारिया ने कहानीकार, कथानक एवं कहानी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इसी सत्र की अगली कड़ी में लोककला विद् डॉ. महेन्द्र भानावत ने बाल एवं कठपुतली नाट्य लेखन विषय पर अपने विचार रखे। तत्पश्चात जबलपुर से आए युवा नाट्य लेखक आशीष पाठक ने नाट्य लेखन विचार एवं प्रक्रिया पर अपना उद्बोधन दिया। दोपहर बाद आयोजित द्वितीय सत्र में पुरस्कृत नाटकों पर चर्चा में हितेन्द्र गोयल द्वारा लिखित नाटक ''वेलकम स्वागत है'' के साथ इकबाल हुसैन लिखित ''दरारें यकीन की'' नाटक की निर्देशकीय समीक्षा रमेश भाटी और विपिन पुरोहित ने की। उक्त सत्र का संचालन स्वपनिल मालु ने किया। कार्यशाला के तृतीय सत्र में अदिति जैन द्वारा लिखित नाटक 'प्रेम शाध्वल' एवं विजय कुमार शर्मा द्वारा लिखित नाटक 'बंशी रैन बसेरा' जैसे पुरस्कृत नाटकों पर चर्चा-परिचर्चा की गई।बता दें, उक्त सत्र में निर्देशकीय समीक्षा गोपाल आचार्य, अशोक जोशी ने की एवं सत्र संचालन स्वप्निल जैन ने किया।इसी तरह चौथे एवं पांचवे सत्र में क्रमशः सत्यनारायण पुरोहित द्वारा लिखित नाटक 'छोटी बात फसाने लंबेह्न की निर्देशकीय समीक्षा डॉ. एसपी रंगा ने की। वहीं, पाँचवे सत्र में 'नाटक किसका' पर बीएम व्यास ने विचार रखे। आलेख चयन एवं निर्देशन की प्रक्रिया विषय पर भानु भारती एवं नन्द किशोर आचार्य ने विचार रखे।गौरतलब है कि कार्यशाला के तीसरे दिन दो सत्रों के आयोजन में पुरस्कृत नाट्य लेखकों के कार्यशाला अनुभव के अलावा पुरस्कृत नाटकों में चयनित निर्देशकों के वक्तव्य भी होंगे। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

सत्कर्मो एवं पूण्य फलों से होता है यज्ञ का सौभाग्य-गणेश महाराज

श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ में दी गई 2 लाख 21हजार आहुतियां

विराटनगर. शाबाश इंडिया

महाभारत कालीन पौराणिक तीर्थ स्थल श्री पंच खंडपीठ पावन धाम में श्रीमन् महात्मा रामचंद्र वीर महाराज के आशीर्वाद, आचार्य स्वामी धर्मेंद्र महाराज की सत प्रेरणा से उनके उत्तराधिकारी श्री पंच खंड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज के सानिध्य में आयोजित हो रहे 108 कुंडिय श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ में शनिवार को यज्ञाचार्य गणेश महाराज (अयोध्या धाम) व उपाचार्य पंडित गोपाल शुक्ला के आचार्य में विद्वान पंडितों ने मुख्य यजमान संतोष कुमार जैन सहित 141 यजमानों को 2 लाख 21 हजार आहुतियां दिलवाई गई। इसी प्रकार यज्ञ के दौरान आयोजित श्री राम कथा में कथावाचक अयोध्या धाम के गणेश महाराज ने महेंद्र सिंह शेखावत के यजमानत्व में अपनी अमृतमयी वाणी से कथा का वाचन करते हुए कहा कि सत्कर्म एवं पुण्य फलों से यज्ञ का सौभाग्य प्राप्त होता है। उन्होंने पार्वती जन्म, दक्ष यज्ञ विध्वंस, देवता अर्चन, सती शिव विवाह सहित राम जन्म तक की कथा का वृत्तांत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। वंही राम जन्मोत्सव पर

बधाई गीत सुनकर श्रोता गण खुशियों से झूम उठे। राम जन्मोत्सव पर पंडाल में बिस्किट व टोफिया वितरित की गई। इस दौरान श्री पंच खंडपीठ पर्वतमालाओ की सुरम्य वादियों के मध्य स्थित भीम गुफा में 29 मई को अनिल शर्मा मधु शर्मा के यजमानत्व में प्रतिष्ठापित होने वाली भीमसेन महाराज की प्रतिमा का अन्नाधिवास कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने अन्न का दान किया। मीडिया समन्वयक मामराज सोलंकी ने बताया कि प्रातः 8ःबजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा सांय काल4बजे से6बजे तक यज्ञ का समय, इसी प्रकार दोपहर 1:00 से सायंकाल 4:00 बजे तक श्री राम कथा,सांय 4.30बजे से7बजे तक महासी कार्यक्रम, एवं रात्रि 7.30बजे से रात्रि 9.30 बजे तक वृंदावन के कलाकारों द्वारा रासलीला का कार्यक्रम रखा गया है। रात्रि में श्रोता गण रासलीला देखने का आनंद उठाया। शनिवार को यादव समाज की ओर से भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें करीब 15000 लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। रविवार को मुन्ना भाई व मनोज सैनी द्वारा भंडारे का आयोजन होगा। भंडारे का समय दोपहर 1:00 से रात्रि 7.30 बजे तक का रखा गया है। केंद्रीय यज्ञ समिति के सांवरमल शर्मा, पंकज पाराशर, प्रतीक शर्मा, नरेंद्र शर्मा, रामगोपाल शर्मा, केशव शर्मा, भागीरथ मल सैनी, रामेश्वर प्रसाद सैनी, महिंद्र ठेकेदार,

अमरनाथ यादव, राजू पुजारी ,विजय छिपा, बालकिशन शर्मा, निर्मल जैन, पूरण सैनी, देशराज सैनी ने यज्ञ व्यवस्थाओं की देखरेख की। प्रधान कार्यालय में मामराज सोलंकी एवं किशोर कुमार शर्मा अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वंही सैकड़ों स्वयंसेवक अपनी अपनी सेवाओं में जुटे हुए हैं। इस दौरान अखिल भारतीय संत समाज के प्रमुख एवं केवल्य पीठाधीश्वरजगतगुरु अविचलदास महाराज गुजरात से पधार कर पावन धाम पहुंचे। वंही विधायक इंद्राज गुर्जर, पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, गिरिराज प्रसाद शर्मा, महेश अल्सर, कुलदीप धनकड़, भीमसेन दोहराता, श्रीमती राजेश यादव, भाजपा नेता जगदीश यादव, पवन शर्मा, पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल, केरली सरपंच रामजी लाल यादव, बागावास अहिरान सरपंच रामेश्वर यादव यज्ञशाला में पधार कर आहुति तथा यज्ञ मंडप के परिक्रमा लगाकर क्षेत्र के लिए सुख समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने स्वामी सोमेंद्र महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर के समापन पर पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी हीरा पथ मानसरोवर जयपुर मे दिनांक 15 मई 2023 से 25 मई 2023 तक श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का आयोजन श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सहयोग से किया गया। मुख्य अतिथि हंसराज रूपा लुहाड़िया व दीप प्रज्वलन धनकुमार मीना कासलीवाल के कर कमलों से हुआ जिसमें समाज के सभी वर्ग ने बहुत ही उत्साह पूर्वक भाग लिया। इसी श्रृंखला में अध्यापन कराने आई दीदी सुश्री काजल व सुश्री अंजली का सम्मान एवं विभिन्न कक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो को एवं सांत्वना पुरस्कार वाले शिविरार्थियो को हथकरघा के वस्त्र पुरस्कार रूप प्रदान किये गये सभी को बहुत अच्छा लगा कि हम आचार्य श्री के सपनों को साकार करने की कोशिश कर रहे हैं ।